HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 5, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. 1857 के विद्रोह के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **अवध में तालुकदारों की भागीदारी केवल सैन्य शिकायतों से प्रेरित नहीं थी, बल्कि इस राज्य के विलय के बाद शुरू किए गए भूमि बंदोबस्त के उलटफेर से भी प्रेरित थी।**
2. **1857 के विद्रोह ने प्रतिरोध के सभी केंद्रों में एक समान समन्वित कमान संरचना और एक सामान्य राजनीतिक उद्देश्य देखा।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) उपलब्ध साक्ष्य से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** अवध के विलय (1856) के बाद, ब्रिटिश राजस्व नीतियों के तहत कई तालुकदारों ने अपनी संपत्तियों और विशेषाधिकारों को खो दिया। परिणामस्वरूप, वे विद्रोह का समर्थन करने वाले सबसे मजबूत सामाजिक समूहों में से एक बन गए, जिससे यह विद्रोह केवल एक सिपाही विद्रोह से कहीं अधिक हो गया।
- **कथन 2 गलत है।** हालांकि बहादुर शाह द्वितीय एक प्रतीकात्मक नेता के रूप में उभरे, लेकिन विद्रोह में केंद्रीकृत नेतृत्व, एकीकृत सैन्य रणनीति और एक सामान्य वैचारिक कार्यक्रम का अभाव था। नाना साहब, रानी लक्ष्मीबाई, कुंवर सिंह और बेगम हजरत महल जैसे नेताओं के बीच क्षेत्रीय उद्देश्य काफी भिन्न थे।
- यूपीएससी अक्सर प्रतीकात्मक एकता और संगठनात्मक एकता के बीच अंतर करती है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है?

प्रजाति (Species)	**प्राकृतिक वितरण (Natural Distribution)**
(a) लायन-टेल्ड मकाक (Lion-tailed Macaque)	पूर्वी हिमालय
(b) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Great Indian Bustard)	थार मरुस्थल घास के मैदान
(c) संगाई हिरण (Sangai Deer)	काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

प्रजाति (Species)	प्राकृतिक वितरण (Natural Distribution)
(d) नीलगिरी तहर (Nilgiri Tahr)	सतपुड़ा पहाड़ियाँ

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **लायन-टेल्ड मकाक** पश्चिमी घाट के लिए स्थानिक (endemic) है, पूर्वी हिमालय के लिए नहीं।
- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड** मुख्य रूप से राजस्थान के घास के मैदानों, विशेष रूप से थार मरुस्थल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।
- **संगाई हिरण** कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान (मणिपुर) के लिए स्थानिक है।
- **नीलगिरी तहर** पश्चिमी घाट के ऊंचे इलाकों में रहता है, सतपुड़ा पहाड़ियों में नहीं।
- यूपीएससी अक्सर भौगोलिक रूप से समान आवासों के साथ स्थानिक प्रजातियों को मिलाकर जैव विविधता के प्रश्न तैयार करता है।

प्रश्न 3. मौद्रिक नीति उपकरण के रूप में सीमांत जमा अनुपात (Marginal Deposit Ratio - MDR) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **सीमांत जमा अनुपात के लिए अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक के पास बिना ब्याज अर्जित किए वृद्धिशील जमा का एक अतिरिक्त अनुपात बनाए रखने की आवश्यकता होती है।**
2. **नकद आरक्षित अनुपात (CRR) के विपरीत, MDR को आम तौर पर एक स्थायी वैधानिक आरक्षित आवश्यकता के बजाय एक अस्थायी तरलता प्रबंधन उपाय के रूप में पेश किया जाता है।**
3. **सीमांत जमा अनुपात में वृद्धि अर्थव्यवस्था में बैंकों के ऋण देने योग्य संसाधनों का सीधे विस्तार करती है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** MDR-प्रकार की व्यवस्था के तहत, बैंक आरबीआई के पास वृद्धिशील जमा के खिलाफ अतिरिक्त रिजर्व बनाए रखते हैं, जिससे उन फंडों की तत्काल तैनाती प्रतिबंधित हो जाती है।

- **कथन 2 सही है।** MDR का उपयोग आम तौर पर एक अस्थायी तरलता अवशोषण उपाय के रूप में किया जाता है और यह वैधानिक CRR ढांचे से भिन्न होता है।
- **कथन 3 गलत है।** MDR बढ़ाने से अतिरिक्त तरलता को रोककर बैंकों के ऋण देने योग्य संसाधनों का विस्तार होने के बजाय कमी आती है।
- यूपीएससी अक्सर तरलता अवशोषण उपकरणों और स्थायी आरक्षित आवश्यकताओं के बीच वैचारिक अंतर का परीक्षण करता है।

प्रश्न 4. संविधान की आठवीं अनुसूची के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **आठवीं अनुसूची में किसी भाषा को शामिल करने से उसे स्वचालित रूप से संघ की राजभाषा का दर्जा मिल जाता है।**
2. **संविधान आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं के प्रसार और विकास को बढ़ावा देने का कर्तव्य संघ पर आरोपित करता है।**
3. **अनुच्छेद 344 के तहत गठित राजभाषा आयोग को आठवीं अनुसूची में प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न भाषाई समूहों से संबंधित व्यक्तियों के दावों और हितों पर विचार करना आवश्यक है।**
4. **संविधान संशोधन के माध्यम से आठवीं अनुसूची में संशोधन करने की शक्ति केवल संसद के पास है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 गलत है।** आठवीं अनुसूची में शामिल होने से कोई भाषा स्वचालित रूप से संघ की राजभाषा नहीं बन जाती है। हिंदी और अंग्रेजी संवैधानिक और वैधानिक प्रावधानों के तहत संघ स्तर पर आधिकारिक भाषाओं के रूप में कार्य करते हैं।
- **कथन 2 सही है।** आठवीं अनुसूची का एक उद्देश्य सूचीबद्ध भाषाओं के विकास और संवर्धन को सुगम बनाना है।
- **कथन 3 सही है।** अनुच्छेद 344 के तहत राजभाषा आयोग से सिफारिशें करते समय विभिन्न भाषाई समूहों के हितों पर विचार करने की अपेक्षा की जाती है।
- **कथन 4 सही है।** आठवीं अनुसूची से किसी भाषा को जोड़ना या हटाना संसद द्वारा पारित एक संविधान संशोधन की मांग करता है।
- यूपीएससी अक्सर संवैधानिक मान्यता, राजभाषा का दर्जा और प्रशासनिक उपयोग के बीच अंतर करती है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): क्युमुलॉनिम्बस (Cumulonimbus) बादल आमतौर पर गरज, बिजली और तीव्र वर्षा से जुड़े होते हैं।

कारण I: मजबूत ऊर्ध्वाधर संवहन (vertical convection) क्युमुलॉनिम्बस बादलों को क्षोभमंडल (troposphere) की एक बड़ी गहराई तक फैलने में सक्षम बनाता है।

कारण II: क्युमुलॉनिम्बस बादल विशेष रूप से अतिशीतित पानी की बूंदों (supercooled water droplets) से बने होते हैं और उनमें कभी भी बर्फ के क्रिस्टल नहीं होते हैं।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) अभिकथन सही है, और कारण I और कारण II दोनों सही हैं, और दोनों कारण अभिकथन की व्याख्या करते हैं।

(b) अभिकथन सही है, कारण I सही है, लेकिन कारण II गलत है।

(c) अभिकथन गलत है, लेकिन कारण I और कारण II दोनों सही हैं।

(d) अभिकथन सही है, लेकिन कारण I और कारण II दोनों गलत हैं।

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **अभिकथन सही है।** क्युमुलॉनिम्बस बादल गरज, बिजली, ओलावृष्टि, squalls और भारी वर्षा के लिए जिम्मेदार टॉवरिंग कन्वेक्टिव बादल हैं।
- **कारण I सही है।** शक्तिशाली संवहन गर्म, नम हवा को अत्यधिक ऊंचाइयों तक उठाता है, जिससे बादल को क्षोभमंडल के अधिकांश भाग में लंबवत रूप से बढ़ने की अनुमति मिलती है। यह ऊर्ध्वाधर विकास गरज के गठन के लिए आवश्यक जोरदार अपड्राफ्ट और डाउनड्राफ्ट का उत्पादन करता है।
- **कारण II गलत है।** परिपक्व क्युमुलॉनिम्बस बादलों में अतिशीतित पानी की बूंदें और बर्फ के क्रिस्टल दोनों होते हैं, विशेष रूप से उनके ऊपरी हिस्सों में जहां तापमान अच्छी तरह से ठंड से नीचे रहता है।
- यूपीएससी तेजी से वैचारिक मौसम विज्ञान के प्रश्न पूछता है जिसके लिए सरल बादल पहचान के बजाय वायुमंडलीय प्रक्रियाओं को समझने की आवश्यकता होती है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. 'भव्या - रसायन योजना' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **यह योजना उच्च मूल्य वाले रसायनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देकर और रणनीतिक आयात निर्भरता को कम करके भारत के रासायनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना चाहती है।**
2. **यह योजना मुख्य रूप से व्यक्तिगत रासायनिक निर्माताओं को आय सहायता प्रदान करने वाले प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) कार्यक्रम के रूप में कार्य करती है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) उपलब्ध जानकारी से निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** भव्या-रसायन योजना का उद्देश्य रासायनिक क्षेत्र में घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना, मूल्य संवर्धन में सुधार करना और आपूर्ति-शृंखला के लचीलेपन को मजबूत करना है।
- **कथन 2 गलत है।** यह योजना DBT-आधारित आय सहायता कार्यक्रम नहीं है। यह निर्माताओं को प्रत्यक्ष वित्तीय हस्तांतरण के बजाय औद्योगिक विकास, तकनीकी उन्नति और प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करती है।
- यूपीएससी सब्सिडी या कल्याणकारी योजनाओं के साथ औद्योगिक संवर्धन योजनाओं को भ्रमित कर सकता है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा औषधीय पौधा अपने प्राकृतिक वितरण के साथ सही सुमेलित है?

(a) कुटकी (पिक्रोरिज़ा कुर्रोआ) — अल्पाइन और उप-अल्पाइन हिमालय

(b) अश्वगंधा — पूर्वी भारत के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र

(c) रेड सैंडर्स (लाल चन्दन) — पूर्वी हिमालयी समशीतोष्ण वन

(d) गुग्गुल — पश्चिमी हिमालयी अल्पाइन घास के मैदान

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कुटकी (पिक्रोरिज़ा कुर्रोआ)** एक उच्च ऊंचाई वाली औषधीय जड़ी बूटी है जो स्वाभाविक रूप से अल्पाइन और उप-अल्पाइन हिमालय में, आम तौर पर 3,000–5,000 मीटर के बीच पाई जाती है।
- इसका व्यापक रूप से यकृत विकारों के लिए आयुर्वेद में उपयोग किया जाता है और इसमें हेपैटोप्रोटेक्टीव गुण होते हैं।
- शेष युग्म गलत सुमेलित हैं:

- अश्वगंधा शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में उगता है।
- रेड सैंडर्स पूर्वी घाट के लिए स्थानिक है।
- गुग्गुल शुष्क और अर्ध-शुष्क पश्चिमी भारत की विशेषता है।

प्रश्न 3. कुशा लॉन्ग-रेन्ज सरफेस-टू-AIर मिसाइल (LR-SAM) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **प्रोजेक्ट कुशा का उद्देश्य कई श्रेणियों के हवाई खतरों से निपटने में सक्षम स्वदेशी लंबी दूरी की वायु रक्षा क्षमता स्थापित करना है।**
2. **यह कार्यक्रम एक स्टैंडअलोन हथियार प्रणाली के रूप में नहीं बल्कि भारत की एकीकृत बहु-स्तरीय वायु रक्षा वास्तुकला के एक घटक के रूप में संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
3. **कुशा प्रणाली भारतीय सशस्त्र बलों की सभी कमानों में पूर्ण पैमाने पर परिचालन तैनाती में प्रवेश कर चुकी है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** प्रोजेक्ट कुशा का उद्देश्य विमान, क्रूज मिसाइलों और चुनिंदा बैलिस्टिक मिसाइल खतरों को रोकना है।
- **कथन 2 सही है।** इस प्रणाली को भारत के एकीकृत वायु रक्षा नेटवर्क के हिस्से के रूप में परिकल्पित किया गया है और यह मौजूदा स्वदेशी और आयातित प्रणालियों की पूरक है।
- **कथन 3 गलत है।** यह कार्यक्रम अभी भी विकास के अधीन है और इसने सार्वभौमिक परिचालन तैनाती में प्रवेश नहीं किया है।
- यूपीएससी अक्सर विकासात्मक परियोजनाओं और शामिल किए गए हथियार प्रणालियों के बीच अंतर का परीक्षण करता है।

प्रश्न 4. चांदीपुरा वायरस (CHPV) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **चांदीपुरा वायरस रैब्डोविरिडे (Rhabdoviridae) परिवार से संबंधित है।**
2. **सैंडफ्लाइज़ (रेत मक्खियों) को संचरण के लिए जिम्मेदार प्रमुख वैक्टर माना जाता है।**

3. **रिपोर्ट किए गए प्रकोपों के दौरान बच्चे सबसे अधिक संवेदनशील आयु वर्ग का गठन करते हैं।**
4. **चांदीपुरा वायरस के खिलाफ सार्वभौमिक रूप से अनुमोदित विशिष्ट एंटीवायरल थेरेपी वर्तमान में उपलब्ध है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** CHPV रैब्डोविरिडे परिवार के तहत जीनस वेसिकुलोवायरस से संबंधित है।
- **कथन 2 सही है।** सैंडफ्लाइज़ को प्रमुख वैक्टर माना जाता है, हालांकि अध्ययनों ने अन्य कीड़ों की भूमिका की भी जांच की है।
- **कथन 3 सही है।** अधिकांश प्रकोपों ने मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर तीव्र एन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (AES) होता है।
- **कथन 4 गलत है।** कोई सार्वभौमिक रूप से अनुमोदित विशिष्ट एंटीवायरल उपचार नहीं है। नैदानिक प्रबंधन काफी हद तक सहायक बना हुआ है।
- यूपीएससी आम तौर पर रोग वर्गीकरण, वेक्टर, संवेदनशील आबादी और उपचार की स्थिति का एक साथ परीक्षण करता है।

प्रश्न 5. राज्यसभा नियम 176, नियम 267 और सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **नियम 176 एक औपचारिक मतदान प्रक्रिया के बिना तत्काल सार्वजनिक महत्व के मामलों पर अल्पकालिक चर्चा का प्रावधान करता है।**
2. **नियम 267 राज्यसभा के सभापति को अपने विवेक के अधीन सदन के सामान्य कामकाज को निलंबित करने का अधिकार देता है।**
3. **सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 साधारण स्कूल या विश्वविद्यालय परीक्षाओं के बजाय अधिसूचित सार्वजनिक परीक्षाओं से संबंधित संगठित कदाचार को मुख्य रूप से लक्षित करता है।**
4. **यह अधिनियम केवल कदाचार में शामिल उम्मीदवारों को आपराधिक बनाता है और विशेष रूप से परीक्षा धोखाधड़ी की सुविधा प्रदान करने वाले संगठित आपराधिक नेटवर्क को बाहर करता है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** नियम 176 बिना किसी औपचारिक प्रस्ताव या मतदान के अल्पकालिक चर्चा की अनुमति देता है।
- **कथन 2 सही है।** नियम 267 के तहत प्रवेश पूरी तरह से सभापति के विवेक पर निर्भर करता है।
- **कथन 3 सही है।** यह अधिनियम नामित सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा आयोजित अधिसूचित सार्वजनिक परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करता है और संगठित परीक्षा धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना चाहता है।
- **कथन 4 गलत है।** अधिनियम के मुख्य उद्देश्यों में से एक व्यवस्थित परीक्षा धोखाधड़ी में शामिल संगठित आपराधिक नेटवर्क, प्रतिरूपणकर्ताओं, सेवा प्रदाताओं और अन्य लोगों को दंडित करना है - न कि केवल उम्मीदवारों को।
- यूपीएससी वैचारिक स्पष्टता की मांग करने वाले हालिया कानून के साथ प्रक्रियात्मक संसदीय नियमों का परीक्षण कर सकता है।

प्रश्न 6. रूस के कुर्स्क क्षेत्र के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **कुर्स्क ओब्लास्ट यूक्रेन के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है।**
2. **कुर्स्क ओब्लास्ट का प्रशासनिक केंद्र कुर्स्क शहर है।**
3. **कुर्स्क, बेलगोरोड ओब्लास्ट के पूर्व में स्थित है।**
4. **कुर्स्क रूस के पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र का हिस्सा है।**

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** कुर्स्क ओब्लास्ट सीधे यूक्रेन की सीमा से लगा हुआ है।

- **कथन 2 सही है।** प्रशासनिक मुख्यालय कुर्स्क शहर है।
- **कथन 3 सही है।** बेलगोरोड ओब्लास्ट दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जबकि कुर्स्क रूस के पश्चिमी क्षेत्र में इसके पूर्व/उत्तर-पूर्व में स्थित है।
- **कथन 4 सही है।** कुर्स्क रूस के पश्चिमी सीमावर्ती इलाकों का हिस्सा है और रूस-यूक्रेन संघर्ष से संबंधित विकास के कारण रणनीतिक महत्व प्राप्त कर चुका है।

मूल्य वर्धन (मानचित्र तथ्य):

- पड़ोसी रूसी ओब्लास्ट में बेलगोरोड, ब्रायन्स्क, ओर्योल, लिपेत्स्क और वोरोनेझ शामिल हैं।
- यह यूक्रेन के सुमी ओब्लास्ट के साथ अपनी दक्षिणी सीमा साझा करता है।
- यह क्षेत्र रूस-यूक्रेन सीमा और प्रमुख परिवहन गलियारों के साथ अपनी निकटता के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

(जीएस पेपर I – इतिहास)

प्रश्न 1. "प्रथम विश्व युद्ध ने युद्ध के मैदान से बहुत आगे तक वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को बदल दिया। औपनिवेशिक भारत पर इसके प्रभाव के विशेष संदर्भ में इसके राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक परिणामों का परीक्षण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

प्रथम विश्व युद्ध (1914–1918) पहला सही मायने में वैश्विक औद्योगिक युद्ध था, जिसमें 30 से अधिक राष्ट्र शामिल थे। आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड की हत्या से प्रेरित होकर, यह शाही प्रतिद्वंद्विता, सैन्यवाद, गठबंधनों और राष्ट्रवाद से प्रेरित एक लंबे संघर्ष में बदल गया। युद्ध ने मौलिक रूप से वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्थाओं और औपनिवेशिक संबंधों को नया आकार दिया।

राजनीतिक परिणाम

- **चार प्रमुख साम्राज्यों का पतन:**
  - जर्मन साम्राज्य
  - ऑस्ट्रियाई-हंगरी साम्राज्य
  - ओटोमन साम्राज्य
  - रूसी साम्राज्य

- यूरोप में कई नए राष्ट्र-राज्यों का उदय।
- वर्साय की संधि ने जर्मनी पर कठोर युद्ध हर्जाना लगाया, जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बीज बोए।
- राष्ट्र संघ (League of Nations) की स्थापना - सामूहिक सुरक्षा का पहला बड़ा प्रयास।

आर्थिक परिणाम

- बुनियादी ढांचे और औद्योगिक क्षमता का भारी विनाश।
- ब्रिटेन से संयुक्त राज्य अमेरिका में वैश्विक वित्तीय नेतृत्व का स्थानांतरण।
- जर्मनी में अत्यधिक मुद्रास्फीति और बेरोजगारी।
- आर्थिक नियोजन में राज्य के हस्तक्षेप में वृद्धि।

सामाजिक-सांस्कृतिक परिणाम

- लगभग 20 मिलियन मौतों ने एक "लॉस्ट जनरेशन" (Lost Generation) को जन्म दिया।
- उद्योगों में महिलाओं की अधिक भागीदारी ने राजनीतिक अधिकारों की मांगों को तेज कर दिया।
- सैन्य प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और संचार में तेजी से प्रगति।

औपनिवेशिक भारत पर प्रभाव

- युद्ध के विभिन्न मोर्चों पर एक मिलियन से अधिक भारतीय सैनिकों ने भाग लिया।
- भारी कराधान और मुद्रास्फीति ने आर्थिक कठिनाइयों को बदतर कर दिया।
- संवैधानिक सुधारों की युद्धकालीन अपेक्षाएं भारत सरकार अधिनियम, 1919 में समाप्त हुईं।
- साथ ही, रौलट एक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उपनिवेश-विरोधी राष्ट्रवाद को तेज कर दिया।
- युद्ध ने एक राष्ट्रीय नेता के रूप में महात्मा गांधी के उदय को मजबूत किया।

समालोचनात्मक विश्लेषण

यद्यपि युद्ध ने यूरोपीय औपनिवेशिक शक्तियों को कमजोर कर दिया, फिर भी औपनिवेशिक शोषण जारी रहा। हालाँकि, एशिया और अफ्रीका में राष्ट्रवादी आंदोलनों ने लगातार औपनिवेशिक शासन की वैधता पर सवाल उठाया।

निष्कर्ष

प्रथम विश्व युद्ध ने पुराने साम्राज्यों को समाप्त करके, राष्ट्रवाद को तेज करके और वैश्विक शक्ति संतुलन को नया आकार देकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति को बदल दिया। भारत के लिए, इसने एक प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में काम किया जिसने संवैधानिक मांगों को स्वतंत्रता के लिए एक जन संघर्ष में बदल दिया।

(जीएस पेपर II – राजनीति)

प्रश्न 2. "भारत के राष्ट्रपति की महाभियोग प्रक्रिया उच्चतम संवैधानिक कार्यालय की गरिमा को सुरक्षित रखते हुए जवाबदेही के प्रति संवैधानिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

राष्ट्रपति अनुच्छेद 52 के तहत सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय पर कब्जा करते हैं। हालांकि राष्ट्रपति दिन-प्रतिदिन के शासन में महत्वपूर्ण संवैधानिक उन्मुक्ति का आनंद लेते हैं, संविधान संविधान के उल्लंघन के लिए अनुच्छेद 61 के तहत महाभियोग की एक असाधारण तंत्र प्रदान करता है।

प्रक्रिया

- संसद के किसी भी सदन में आरोप उत्पन्न हो सकते हैं।
- कुल सदस्यों में से कम से कम एक-चौथाई द्वारा हस्ताक्षरित पूर्व लिखित नोटिस।
- चौदह दिन की नोटिस अवधि।
- प्रस्ताव को कुल सदस्यता के दो-तिहाई बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।
- दूसरा सदन जांच करता है या जांच करवाता है।
- यदि दूसरा सदन भी समान बहुमत से प्रस्ताव पारित करता है, तो राष्ट्रपति को हटा दिया जाता है।

संवैधानिक महत्व

- संवैधानिक सर्वोच्चता सुनिश्चित करता है।
- जवाबदेही बनाए रखता है।
- मनमाने ढंग से हटाने से रोकता है।
- संस्थागत स्थिरता को संरक्षित करता है।
- शक्तियों के पृथक्करण को सुदृढ़ करता है।

सीमाएं

- "संविधान का उल्लंघन" अपरिभाषित रहता है।
- अत्यधिक उच्च बहुमत महाभियोग को राजनीतिक रूप से कठिन बनाता है।
- किसी भी राष्ट्रपति पर कभी महाभियोग नहीं चलाया गया है।
- राजनीतिक आम सहमति प्राप्त करना अक्सर कठिन होता है।

तुलनात्मक दृष्टिकोण

संयुक्त राज्य अमेरिका के विपरीत, भारत में महाभियोग संवैधानिक उल्लंघन तक सीमित है और "उच्च अपराधों और दुष्कर्मों" पर आधारित नहीं है।

आगे की राह

- "उल्लंघन" के आसपास के संवैधानिक सम्मेलनों को स्पष्ट करना।
- संसदीय विचार-विमर्श को मजबूत करना।
- राजनीतिक संस्थानों के बीच संवैधानिक नैतिकता को बढ़ावा देना।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

निष्कर्ष

महाभियोग तंत्र जानबूझकर कड़ा है क्योंकि संवैधानिक स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि राज्य के प्रमुख को हटाना राजनीतिक के बजाय असाधारण बना रहे।

(जीएस पेपर III – विज्ञान और प्रौद्योगिकी)

प्रश्न 3. "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एक साथ भारत का सबसे बड़ा तकनीकी अवसर और इसकी सबसे जटिल शासन चुनौतियों में से एक है। चर्चा कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) बिजली और इंटरनेट के बराबर एक सामान्य-उद्देश्य वाली प्रौद्योगिकी के रूप में उभरी है। इसमें शासन, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रक्षा को बदलने की क्षमता है, जबकि साथ ही यह नैतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी पैदा करती है।

अवसर

आर्थिक विकास

- उत्पादकता वृद्धि।
- विनिर्माण स्वचालन।
- स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र।
- डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार।

शासन

- भविष्य बताने वाला विश्लेषिकी (Predictive analytics)।
- स्मार्ट कृषि।
- स्वास्थ्य सेवा निदान।
- न्यायिक सहायता।
- भाषा अनुवाद।

राष्ट्रीय सुरक्षा

- स्वायत्त निगरानी।
- खुफिया विश्लेषण।
- साइबर रक्षा।
- सीमा निगरानी।

चुनौतियाँ

- एल्गोरिथम पूर्वाग्रह।

- गोपनीयता का उल्लंघन।
- डीपफेक।
- नौकरी का विस्थापन।
- साइबर सुरक्षा जोखिम।
- नैतिक जवाबदेही।
- AI का केंद्रीकरण।

सरकारी पहल

- IndiaAI मिशन।
- राष्ट्रीय डेटा शासन ढांचा।
- डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा।
- जिम्मेदार AI पहल।

आगे की राह

- मानव-केंद्रित AI।
- नैतिक विनियमन।
- स्वदेशी AI चिप्स।
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी।
- AI साक्षरता।
- मजबूत डेटा शासन।

निष्कर्ष

AI में भारत की सफलता न केवल तकनीकी नवाचार पर निर्भर करेगी बल्कि नैतिकता, समावेशिता, जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों के साथ नवाचार को संतुलित करने पर भी निर्भर करेगी।

(जीएस पेपर IV – नीतिशास्त्र)

प्रश्न 4. "जवाबदेही के बिना पारदर्शिता प्रतीकात्मक हो सकती है, जबकि पारदर्शिता के बिना जवाबदेही मनमानी हो जाती है। नैतिक शासन के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

पारदर्शिता और जवाबदेही नैतिक शासन के पूरक स्तंभ हैं। पारदर्शिता नागरिकों को जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, जबकि जवाबदेही यह सुनिश्चित करती है कि लोक सेवक अपने कार्यों के लिए उत्तरदायी हों।

पारदर्शिता का महत्व

- भ्रष्टाचार को कम करता है।
- सूचित भागीदारी को बढ़ावा देता है।
- विश्वास को मजबूत करता है।
- संस्थागत वैधता को बढ़ाता है।

जवाबदेही का महत्व

- जिम्मेदारी तय करता है।
- अनुपालन सुनिश्चित करता है।
- प्रदर्शन में सुधार करता है।
- सार्वजनिक संसाधनों की रक्षा करता है।

संबंध

- **पारदर्शिता बिना जवाबदेही के:** जानकारी मौजूद है, कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं, प्रतीकात्मक खुलेपन।
- **जवाबदेही बिना पारदर्शिता के:** नागरिकों के पास सबूत का अभाव, निर्णय अस्पष्ट हो जाते हैं, मनमानी का जोखिम बढ़ जाता है।

उदाहरण

- सूचना का अधिकार अधिनियम (RTI)।
- सामाजिक लेखा परीक्षा (Social audits)।
- CAG रिपोर्ट।
- संसदीय समितियां।
- सार्वजनिक शिकायत पोर्टल।

नैतिक मूल्य

- सत्यनिष्ठा।
- ईमानदारी।
- उत्तरदायित्व।
- न्याय।
- लोक सेवा।

निष्कर्ष

नैतिक शासन के लिए तथ्यों को प्रकट करने के लिए पारदर्शिता और परिणाम सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही की आवश्यकता होती है। कोई भी सिद्धांत स्वतंत्र रूप से लोकतांत्रिक वैधता को बनाए नहीं रख सकता है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

(समसामयिक घटनाएँ - Current Affairs)

प्रश्न 5. "नाटो का शीत युद्ध के एक सैन्य गठबंधन से एक व्यापक सुरक्षा संगठन के रूप में विकास ने ट्रांसअटलांटिक बोझ-साझाकरण पर बहस को तेज कर दिया है। समकालीन भू-राजनीतिक व्यवस्था में नाटो की बदलती भूमिका का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।" (15 अंक | 250 शब्द)

आदर्श उत्तर

1949 में स्थापित, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) मूल रूप से अनुच्छेद 5 के तहत सामूहिक रक्षा के माध्यम से सोवियत विस्तार को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया था। शीत युद्ध के अंत के बाद से, नाटो पारंपरिक खतरों, साइबर युद्ध, आतंकवाद और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा को संबोधित करने वाले एक व्यापक सुरक्षा संगठन के रूप में विकसित हुआ है।

नाटो का विकास

- शीत युद्ध सामूहिक रक्षा।
- बाल्कन शांति रक्षा अभियान।
- 9/11 के बाद आतंकवाद का मुकाबला।
- साइबर रक्षा।
- इंडो-पैसिफिक साझेदारियाँ।
- रूस-यूक्रेन संघर्ष की प्रतिक्रिया।

ट्रांसअटलांटिक बोझ-साझाकरण बहस

बोझ-साझाकरण बहस संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों के बीच रक्षा व्यय और सैन्य जिम्मेदारियों के असमान वितरण से संबंधित है।

प्रमुख मुद्दे

- अमेरिका नाटो की सैन्य क्षमताओं का असमान रूप से बड़ा हिस्सा योगदान करता है।
- कई यूरोपीय सदस्य ऐतिहासिक रूप से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 2% रक्षा खर्च बेंचमार्क से नीचे रहे।
- यूरोप द्वारा अधिक रणनीतिक जिम्मेदारी संभालने की बढ़ती उम्मीदें।
- रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद बढ़े हुए निवेश ने अंतराल को कम किया है - लेकिन समाप्त नहीं किया है।

समकालीन चुनौतियाँ

- रूसी सैन्य मुखरता (assertiveness)।
- साइबर हमले।
- हाइब्रिड युद्ध।
- ऊर्जा सुरक्षा।
- एक व्यवस्थित चुनौती के रूप में चीन।

- रक्षा-औद्योगिक समन्वय।

भारत के लिए निहितार्थ

- बदलती यूरोपीय सुरक्षा वास्तुकला वैश्विक रणनीतिक संतुलन को प्रभावित करती है।
- रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदारियाँ का विस्तार हो सकता है।
- इंडो-पैसिफिक सहयोग गहरा हो सकता है।
- भारत को प्रमुख शक्तियों के साथ जुड़ते हुए अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को संरक्षित करना चाहिए।

निष्कर्ष

नाटो का परिवर्तन वैश्विक सुरक्षा खतरों की बदलती प्रकृति को दर्शाता है। टिकाऊ ट्रांसअटलांटिक बोझ-साझाकरण के लिए अधिक यूरोपीय रक्षा क्षमता, निरंतर अमेरिकी नेतृत्व और उभरती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के लिए संस्थागत अनुकूलन की आवश्यकता होगी।